P-546

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-610

ज्योतिषशास्त्र एवं यात्रा विमर्श-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. यात्रा में घात विचार क्यों आवश्यक है? नक्षत्र-वार एवं लग्न घात का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

2. शुभाशुभ शकुन का प्रतिपादन कीजिए।

3. यात्रा का परिचय देते हुए दिशाशूल विचार का लेखन कीजिए।

4. त्रिविध यात्रा से क्या तात्पर्य है? दिशाशुद्धि के विभिन्न अवयवों का वर्णन कीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र में प्रतिपादित यात्रा विचार पर निबन्ध लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अशुभ शकुनों का परिहार सहित वर्णन कीजिए।

2. यात्रा में कृत्याकृत्य का विश्लेषण करें।

3. भद्रा से क्या तात्पर्य है? यात्रा में भद्रा विचार कैसे करते हैं?

4. यात्रा में गुरु-शुक्र विचार का उल्लेख करें।

5. यात्रा में शुक्र दोष का परिहार कैसे करते हैं?

6. यात्रा के लिए शुभाशुभ नक्षत्रों का विश्लेषण कीजिए।

7. यात्राकालीन मंगल ग्रह का भावफल लिखिए।

8. सक्षेत्र दिग्द्वार निर्णय का वर्णन करें।